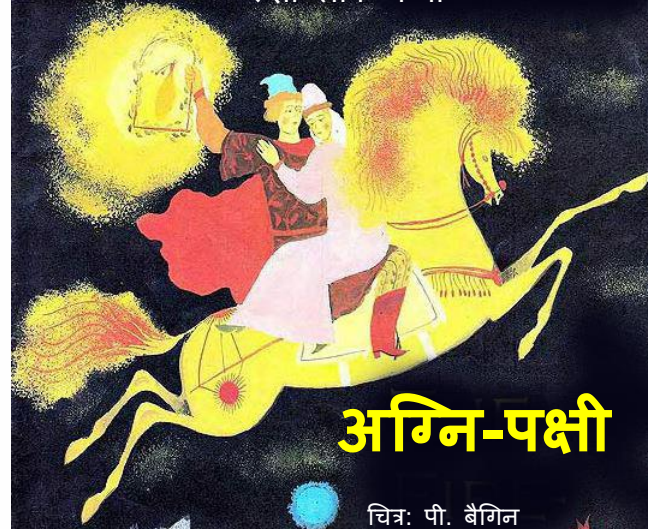


रुसी लोक कथा



अग्नि-पक्षी

चित्र: पी. बैगिन

हिंदी: अरविन्द गुप्ता



एक समय की बात है, बेरेंडी नाम का एक राजा था और उसके तीन बेटे थे, जिनमें से सबसे छोटे का नाम इवान था.

अब ज़ार के पास एक सुंदर बगीचा था जिसमें एक सेब का पेड़ था जिसमें सुनहरे सेब लगे थे.



एक दिन ज़ार को पता चला कि कोई उसके बगीचे में आ रहा था और उसके सुनहरे सेब चुरा रहा था. ज़ार इस बात से बहुत दुखी हुआ. उसने पहरेदारों को बगीचे में भेजा, लेकिन वे चोर को पकड़ने में असमर्थ रहे.

ज़ार इतना दुखी हुआ कि वह भोजन और पानी भी बंद कर दिया. ज़ार के बेटे उसे खुश करने की कोशिश करते थे.

"दुखी न हों, प्रिय पिताजी," उन्होंने कहा, "अब हम स्वयं बगीचे की रखवाली करेंगे."

सबसे बड़े बेटे ने कहा: "आज निगरानी रखने की मेरी बारी है." और वह बगीचे में चला गया. वह बहुत देर तक इधर-उधर घूमता रहा लेकिन उसे कोई दिखाई नहीं दिया, इसलिए वह नरम घास पर लेट गया और सो गया.

सुबह ज़ार ने उससे कहा:

"बताओ तुम मेरे लिए क्या खुशखबरी लाए हो? क्या तुम्हें चोर के बारे में कुछ पता चला?"

"नहीं, पिताजी प्रिय. मैं कसम खाने को तैयार हूँ कि वहां कोई चोर नहीं था. मैंने पूरी रात अपनी आंखें बंद नहीं की, लेकिन मैंने किसी को नहीं देखा."

अगली रात को मंझला बेटा निगरानी करने के लिए बगीचे में गया और वह भी जाकर वहां सो गया और सुबह उसने भी कहा कि उसने किसी को नहीं देखा.

अब सबसे छोटे बेटे की बारी थी कि वह जाकर निगरानी करे. त्सारेविच इवान अपने पिता के बगीचे को देखने गया और उसने लेटने की बात तो दूर, बैठने की भी हिम्मत नहीं की. यदि उसे लगता कि उसे नींद आ रही है, तो वह अपना चेहरा ओस में धो लेता और फिर से जाग जाता.



आधी रात बीत गई, और तभी अचानक उसे बगीचे में चमकती रोशनी दिखाई दी. प्रकाश अधिकाधिक उज्ज्वल होता गया, और उसने चारों ओर सब कुछ चमका दिया.

त्सारेविच इवान ने वहाँ सेब के पेड़ पर अग्नि-पक्षी को सुनहरे सेबों पर चोंच मारते हुए देखा.

त्सारेविच इवान पेड़ पर चढ़ गया और उसने पक्षी की पूंछ को पकड़ लिया. लेकिन अग्नि-पक्षी उसकी पकड़ से छूट गया और उड़ गया, लेकिन अपनी पूंछ का एक पंख उसके हाथ में छोड़ गया.

सुबह त्सारेविच इवान अपने पिता के पास गया.

"अच्छा, मेरे बेटे, क्या तुम चोर को पकड़ पाए?" ज़ार ने पूछा.

"नहीं, पिताजी," त्सारेविच इवान ने कहा, "मैंने उसे पकड़ नहीं पाया, लेकिन मैंने पता लगाया कि वह चोर कौन था. देखिए, उसने आपके लिए यह पंख एक स्मृति चिन्ह के रूप में भेजा है. पिताजी अग्नि-पक्षी ही चोर है."

ज़ार ने पंख ले लिया, और उस समय के बाद से वो फिर से खुश हो गया और उसने खाना-पीना शुरू कर दिया. लेकिन एक दिन ज़ार अग्नि-पक्षी के बारे में सोचने लगा और अपने तीनों बेटों को अपने पास बुलाकर कहा:

"मेरे प्यारे बेटों, मैं चाहता हूँ कि तुम अपने भरोसेमंद घोड़ों पर काठी बिठाओ और विस्तृत दुनिया को देखने के लिए निकल जाओ. यदि तुम दुनिया के सभी सुदूर कोने खोजोगे, तो शायद तुम जरूर अग्नि-पक्षी तक पहुँच जाओगे."

बेटों ने अपने पिता को प्रणाम किया, अपने भरोसेमंद घोड़ों पर काठी बाँधी और महल से निकल पड़े. सबसे बड़े बेटे ने एक रास्ता अपनाया, बीच वाले बेटे ने दूसरा, और त्सारेविच इवान ने तीसरा.



त्सारेविच इवान का रास्ता लंबा था या नहीं, यह कोई नहीं जानता, लेकिन वो गर्मी का मौसम था और बहुत तेज़ गर्मी थी। इसलिए उसे इतनी थकान महसूस हुई कि वह अपने घोड़े से उतर गया और उसने घोड़े के पैरों को बांध दिया ताकि वह ज्यादा दूर न जा सके। फिर वो आराम करने के लिए लेट गया।

वह बहुत देर तक सोया या थोड़ी देर, यह कोई नहीं जानता, लेकिन जब वह उठा तो उसने देखा कि उसका घोड़ा जा चुका था। वह उसकी तलाश में निकला, वह चला और चला, और अंत में उसे अपने घोड़े के अवशेष - हड्डियों के अलावा और कुछ भी नहीं मिला। त्सारेविच इवान बहुत दुखी हुआ। घोड़े के बिना वह अपनी यात्रा कैसे जारी रख सकता था?

"आह, ठीक है," उसने सोचा, "अब मैं और क्या कर सकता हूँ। मुझे इस स्थिति का सर्वोत्तम उपयोग करना होगा।"

और फिर वह पैदल ही चल दिया। वह चलता रहा और तब तक चलता रहा जब तक कि वह इतना थक नहीं गया कि वो गिरने को तैयार था। वह नरम घास पर बैठ गया। वह बहुत उदास था। अचानक, उसने देखा! एक भेड़िया उसके पास दौड़कर आ रहा था।

"तुम यहाँ इतने उदास और दुःखी क्यों बैठे हो, त्सारेविच इवान?" भेड़िये ने पूछा।

"मैं दुखी होने के अलावा भला और क्या कर सकता हूँ, भेड़िये! मैंने अपना भरोसेमंद घोड़ा खो दिया है।"

"वह मैं ही था जिसने तुम्हारे घोड़े को खा लिया था, त्सारेविच इवान। लेकिन मुझे तुम्हारे लिए खेद है। आओ, मुझे बताओ, तुम घर से इतनी दूर क्या कर रहे हो और तुम कहाँ जा रहे हो?"



"मेरे पिताजी ने मुझे अग्नि-पक्षी की तलाश के लिए विस्तृत दुनिया में भेजा है।"

"ठीक है, मेरी बात सुनो. तुम तीन साल में उस घोड़े पर अग्नि-पक्षी तक नहीं पहुंच सकते थे. मैं ही जानता हूं कि वह कहां रहता है. अब चूंकि मैंने तुम्हारे घोड़े को खाया है, इसलिए मैं तुम्हारा सच्चा और वफादार सेवक बनूंगा. मेरी पीठ पर बैठो और कसकर पकड़ो."

त्सारेविच इवान उसकी पीठ पर चढ़ गया और भेड़िया एक झटके में बिजली की तेज़ी से आगे बढ़ा. नीली झीलें तेज़ी से गायब हो गईं, पलक झपकते ही हरे-भरे जंगल बह गए, और अंत में वे एक महल में पहुंचे जिसके चारों ओर एक ऊंची दीवार थी.

"ध्यान से सुनो, त्सारेविच इवान," भेड़िये ने कहा, "और मैं जो कहता हूं उसे याद रखो. उस दीवार पर चढ़ो. तुम्हें डरने की कोई बात नहीं है - हम एक भाग्यशाली समय पर आए हैं, क्योंकि अब सभी गार्ड सो रहे हैं. टावर के भीतर एक कक्ष में तुम्हें एक खिड़की दिखाई देगी, उस खिड़की में एक सुनहरा पिंजरा लटका हुआ होगा, और उसी पिंजरे में अग्नि-पक्षी है. तुम पक्षी को लेकर और उसे अपनी छाती में छिपाना, लेकिन ध्यान रखना कि तुम पिंजरे को बिल्कुल मत छूना!"

त्सारेविच इवान दीवार पर चढ़ गया और उसने खिड़की में लटके सुनहरे पिंजरे में अग्नि-पक्षी के साथ टावर को देखा. उसने पक्षी को बाहर निकाला और अपनी छाती में छिपा लिया, लेकिन वह पिंजरे से अपनी आँखें नहीं हटा सका.

"आह, यह कितना सुंदर सुनहरा पिंजरा है!" उसने बहुत उत्सुकता से सोचा. "मैं इसे यहाँ कैसे छोड़ सकता हूँ!"



और वो उस समय भेड़िये की चेतावनी के बारे में सब कुछ भूल गया. लेकिन जैसे ही उसने पिंजरे को छुआ, महल के भीतर हंगामा मच गया - तुरही बजने लगी, ढोल बजने लगे और गार्ड जाग गए, त्सारेविच इवान को पकड़ लिया गया और उसे ज़ार अफ़ोन के पास ले जाया गया.

तुम कौन हो और कहाँ से आए हो?" ज़ार अफ़ोन ने गुस्से में पूछा.

"मैं ज़ार बेरेंडी का पुत्र त्सारेविच इवान हूँ."

"तुम्हें शर्म आनी चाहिए! एक राजा के बेटे को चोरी नहीं करनी चाहिए!"

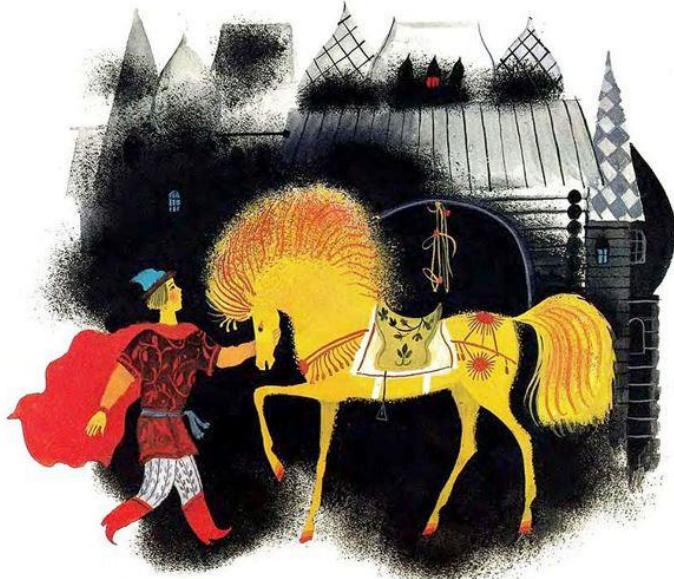
"ठीक है, महाराज आपको अपने पक्षी को हमारे बगीचे से सेब चुराने नहीं देना चाहिए था."

"अगर तुमने आकर मुझे इसके बारे में ईमानदारी से बताया होता, तो मैं तुम्हारे पिता, ज़ार बेरेंडी के सम्मान में तुम्हें अग्नि-पक्षी का उपहार में दे देता. लेकिन अब मैं तुम्हारे परिवार की बदनामी दूर-दूर तक फैलाऊंगा. पर शायद मैं वो न करूँ. अगर तुम वो करोगे जो मैं तुमसे कहता हूँ, तो मैं फिर तुम्हें माफ़ कर दूँगा. एक राजघराने में कुसमान नाम का एक राजा है और उसके पास एक सुनहरी अयाल वाला घोड़ा है. तुम मेरे लिए वो घोड़ा लेकर आओ फिर मैं तुम्हें अग्नि-पक्षी और पिंजरा भी उपहार में दे दूँगा."

त्सारेविच इवान को बहुत दुःख हुआ और वह निराश हुआ और इसलिए वो दुबारा भेड़िये के पास वापस गया.

"मैंने तुमसे कहा था कि पिंजरे को मत छूना." भेड़िये ने कहा, "तुमने मेरी चेतावनी पर ध्यान क्यों नहीं दिया?"

"मुझे क्षमा करें. भेड़िये, कृपया मुझे क्षमा करें."



"तुम्हें खेद है, है ना? चलो ठीक है, फिर से मेरी पीठ पर बैठ जाओ."

मैंने तुम्हें अपना वचन दे दिया है और मुझे उससे पीछे नहीं हटना चाहिए. एक सच्चाई जिसे सभी अच्छे लोग स्वीकार करते हैं कि उन्हें अपना वादा अवश्य निभाना चाहिए."

फिर भेड़िया, त्सारेविच इवान को अपनी पीठ पर बिठाकर दुबारा चला. यह कोई नहीं जानता कि उन्होंने लंबी यात्रा की, या छोटी यात्रा, लेकिन अंत में वे उस महल में पहुँचे जहाँ सुनहरे अयाल वाला घोड़ा रखा गया था.

"दीवार पर चढ़ो, त्सारेविच इवान, गार्ड सो रहे हैं," भेड़िये ने कहा. "अस्तबल में जाओ और घोड़े को ले जाओ, लेकिन ध्यान रखना और उसकी लगाम को बिल्कुल मत छूना."

त्सारेविच इवान महल की दीवार पर चढ़ गया. सभी गार्ड सो रहे थे, वह अस्तबल में गया और उसने सुनहरी अयाल वाले घोड़े को पकड़ लिया. लेकिन वह लगाम उठाए बिना नहीं रह सका - क्योंकि लगाम सोने की बनी थी और कीमती पत्थरों से जड़ी हुई थी - ऐसे घोड़े के लिए वो एकदम उपयुक्त लगाम थी.

जैसे ही त्सारेविच इवान ने लगाम को छुआ, महल के भीतर हंगामा मच गया. तुरही बजने लगी, ढोल बजने लगे और गार्ड जाग गए, त्सारेविच इवान को पकड़ लिया और उसे ज़ार कुसमान के पास ले गए.

"तुम कौन हो और कहाँ से आये हो?" ज़ार ने पूछा.

"मैं त्सारेविच इवान हूँ."

"एक ज़ार का बेटा घोड़ों को चुरा रहा है! यह कितना मूर्खतापूर्ण काम है! एक आम किसान भी ऐसा बेहूदा काम नहीं करता. लेकिन मैं तुम्हें माफ कर दूंगा, त्सारेविच इवान, अगर तुम वो करोगे जो मैं तुम्हें बताऊंगा. ज़ार दलमत की एक बेटी है जिसका नाम येलेना सुंदरी है. तुम उसे चुराकर और मेरे पास ले आओ, और मैं तुम्हें अपना सोने की अयाल वाला घोड़ा और लगाम भी उपहार में दे दूंगा."



त्सारेविच इवान को पहले से कहीं अधिक उदासी और हताशा महसूस हुई और वह भेड़िये के पास वापस चला गया.

"मैंने तुमसे कहा था कि लगाम को मत छूना, त्सारेविच इवान!" भेड़िये ने कहा. "बताओ तुमने मेरी चेतावनी पर ध्यान क्यों नहीं दिया?"

"मुझे क्षमा करें. भेड़िये, कृपया मुझे क्षमा करें."

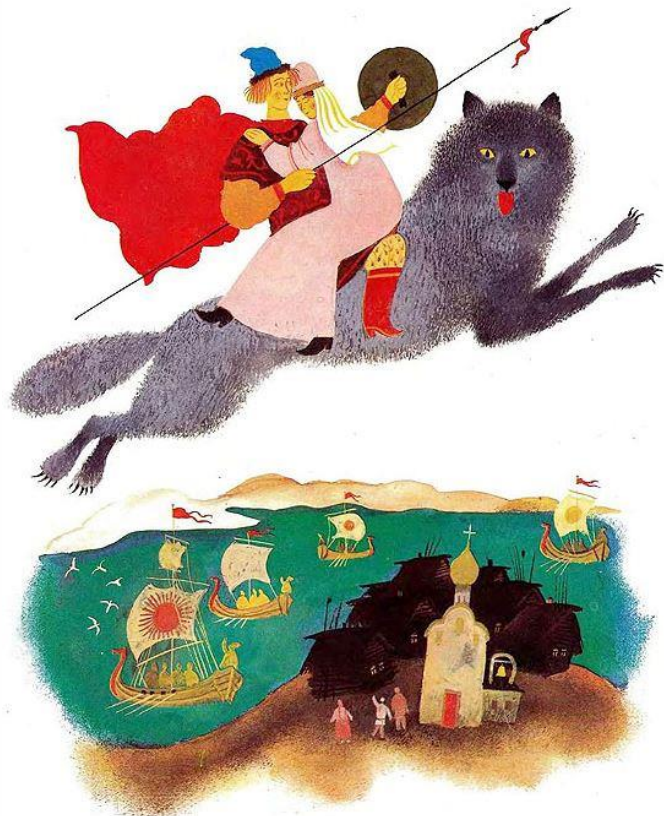
"माफ़ करने से कोई फ़ायदा नहीं होगा. चलो, ठीक है, फिर से मेरी पीठ पर बैठ जाओ."

और भेड़िया, त्सारेविच इवान के साथ तेज़ी से चला. धीरे-धीरे वे ज़ार दलमत के राजघराने में पहुंचे, और उसके महल के बगीचे में येलेना सुंदरी अपनी दासियों और नौकरानियों के साथ घूम रही थी.

"इस बार मैं सब कुछ खुद ही करूंगा," भेड़िये ने कहा, "हम जिस रास्ते से आए थे उसी रास्ते से तुम वापस जाओ और मैं जल्द ही तुम्हें पकड़ लूंगा."

इसलिए त्सारेविच इवान जिस रास्ते से आया था उसी रास्ते से वापस चल दिया, और भेड़िया दीवार कूदकर बगीचे में चला गया. वह एक झाड़ी के पीछे छिप गया और उसने बाहर झाँका, और वहाँ येलेना सुंदरी अपनी सभी दासियों और नौकरानियों के साथ घूम रही थी. थोड़ी देर के बाद येलेना सुंदरी अपनी दासियों से पीछे रह गई, और तभी भेड़िये ने तुरंत उसे पकड़ लिया, उसे अपनी पीठ पर उठाया, दीवार कूद गया और तेज़ी से भाग निकला.

त्सारेविच इवान जिस रास्ते से आया था उसी रास्ते से वापस जा रहा था, तभी अचानक उसका दिल खुशी से उछल पड़ा, क्योंकि उसके पीछे येलेना सुंदरी के साथ भेड़िया था! भेड़िये ने कहा, "तुम भी मेरी पीठ पर चढ़ जाओ, और इसके बारे में जल्दी करो, अन्यथा वे लोग हमें पकड़ सकते हैं."



भेड़िया, त्सारेविच इवान और येलेना सुंदरी को अपनी पीठ पर बिठाकर तेजी से चला. नीली झीलें तेजी से आँखों से ओझल हो गईं, हरे जंगल पलक झपकते ही बह गए. वे रास्ते में लंबी देर तक थे या नहीं, कोई नहीं जानता, लेकिन धीरे-धीरे वे ज़ार कुसमान के दरबार में आ गए.

"तुम इतने चुप और उदास क्यों हो, त्सारेविच इवान?" भेड़िये ने पूछा.

"मैं दुखी होने से कैसे बच सकता हूँ, भेड़िये! इतनी प्यारी राजकुमारी से अलग होने से मेरा दिल टूट रहा है. यह सोचकर कि मुझे घोड़े के बदले में येलेना सुंदरी को देना होगा!"

"तुम्हें ऐसी सुंदर लड़की से अलग होने की जरूरत नहीं है, हम उसे कहीं छिपा देंगे. मैं खुद को येलेना सुंदरी में बदल लूँगा और तुम उसकी बजाए मुझे ज़ार के पास ले जाना."

इसलिए उन्होंने येलेना सुंदरी को जंगल में एक झोपड़ी में छिपा दिया, और फिर भेड़िये ने एक कलाबाज़ी मारी, और वो तुरंत येलेना सुंदरी में बदल गया. त्सारेविच इवान उसे ज़ार कुसमान के पास ले गया, और ज़ार प्रसन्न हुआ और उसने उसे बार-बार धन्यवाद दिया.

"मेरे लिए दुल्हन लाने के लिए धन्यवाद, त्सारेविच इवान," ज़ार कुसमान ने कहा. "अब सुनहरे अयाल वाला घोड़ा तुम्हारा है, और लगाम भी."

त्सारेविच इवान घोड़े पर सवार हुआ और येलेना सुंदरी के लिए वापस चला गया. उसने येलेना सुंदरी को घोड़े की पीठ पर बिठाया और वे चल पड़े!



ज़ार कुसमान ने जश्न मनाने के लिए एक शादी और दावत का आयोजन किया. वह पूरे दिन दावत करता रहा, और जब सोने का समय आया तो वह अपनी दुल्हन को शयनकक्ष में ले गया. लेकिन जब वह उसके साथ बिस्तर पर गया तो उसे अपनी युवा पत्नी के चेहरे के बजाए एक भेड़िये के थूथन को देखा! ज़ार इतना भयभीत हो गया कि वह बिस्तर से गिर गया, और भेड़िया उछलकर भाग गया.



भेड़िया त्सारेविच इवान के पास पहुँच गया और उसने पूछा:

"तुम उदास क्यों हो, त्सारेविच इवान?"

"मैं दुखी होने के अलावा और क्या कर सकता हूँ! मैं अग्नि-पक्षी के लिए सुनहरी आयाल वाले घोड़े की अदल-बदल करने के बारे में सोच भी नहीं सकता."

"खुश रहो, मैं तुम्हारी मदद करूँगा," भेड़िये ने कहा.

जल्द ही वे ज़ार अफ़ोन के दरबार में आ पहुँचे.

"घोड़े और येलेना सुंदरी को छिपाओ," भेड़िया ने कहा, "मैं खुद को सुनहरी अयाल वाले घोड़े में बदल दूँगा और फिर तुम मुझे ज़ार अफ़ोन के पास ले जाना."

इसलिए उन्होंने येलेना सुंदरी और सुनहरी अयाल वाले घोड़े को जंगल में छिपा दिया. भेड़िये ने कलाबाज़ी की और वो सुनहरी अयाल वाले घोड़े में बदल गया. त्सारेविच इवान उसे ज़ार अफ़ोन के पास ले गया, और ज़ार खुश हो गया और उसे अग्नि-पक्षी और सुनेहरा पिंजड़ा भी दिया.



त्सारेविच इवान जंगल में वापस चला गया, येलेना सुंदरी को सुनहरी आयल वाले घोड़े की पीठ पर बिठाया और अग्नि-पक्षी के साथ सुनहरा पिंजरा लेकर घर की ओर चल पड़ा.

इस बीच ज़ार अफ़ोन के पास उपहार वाला सुनहरी अयाल वाला घोड़ा लाया गया, और वह उसकी पीठ पर चढ़ने ही वाला था कि घोड़ा एक भूरे भेड़िये में बदल गया. ज़ार इतना भयभीत हुआ कि वह जहां खड़ा था वहीं गिर गया, और तुरंत भेड़िया वहां से भाग गया और जल्द ही वो त्सारेविच इवान के पास पहुंचा.

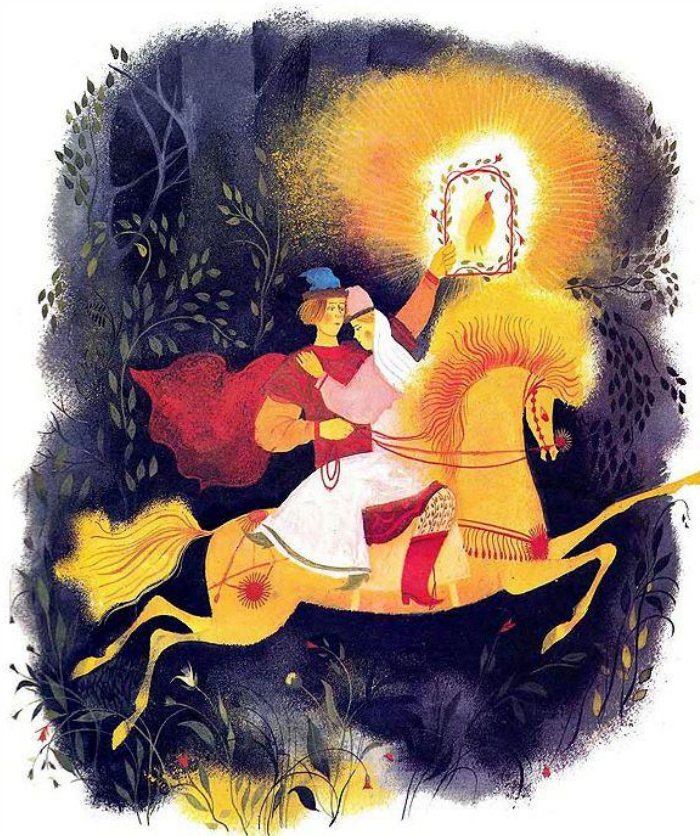
"और अब मुझे अलविदा कहना होगा," भेड़िये ने कहा, "क्योंकि मैं इससे आगे नहीं जा सकता."

त्सारेविच इवान घोड़े से उतरा, तीन बार नीचे झुका और विनम्रतापूर्वक भेड़िये को धन्यवाद दिया.

भेड़िये ने कहा, "देखो अभी मुझे से अलविदा मत कहो, क्योंकि तुम्हें अभी भी मेरी ज़रूरत पड़ेगी."

"मुझे भेड़िये की दोबारा आवश्यकता क्यों पड़ेगी?" त्सारेविच इवान ने सोचा.

"मेरी सभी इच्छाएँ पूरी हो गई हैं."



वह सुनहरी अयाल वाले घोड़े की पीठ पर चढ़ गया और येलेना सुंदरी और अग्नि-पक्षी के साथ आगे बढ़ा. धीरे-धीरे वे अपनी जन्मभूमि पर पहुँच गए, और त्सारेविच इवान ने कुछ खाने के लिए रुकने का फैसला किया. उसके पास थोड़ी रोटी थी, इसलिए उन्होंने रोटी खाई और झरने का ताज़ा पानी पिया, और आराम करने के लिए लेट गए.

जैसे ही त्सारेविच इवान सो गया, उसके भाई सवार होकर वहां आये. वे अग्नि-पक्षी की तलाश में अन्य देशों में गए थे, और अब खाली हाथ घर लौट रहे थे.

जब उन्होंने देखा कि त्सारेविच इवान को सब कुछ मिल गया है तो उन्होंने कहा:



"चलो, हम अपने भाई इवान को मार डालते हैं, क्योंकि तब उसका सारा माल हमारा हो जाएगा.

और इसके साथ ही उन्होंने तारेविच इवान को मार डाला. फिर वे सुनहरी आयल वाले घोड़े की पीठ पर चढ़े, अग्नि-पक्षी लिया, येलेना सुंदरी को घोड़े पर बैठाया और कहा:

"देखो कि तुम घर पर इस बारे में एक शब्द भी मत बोलना!"

त्सारेविच इवान वहां ज़मीन पर पड़ा हुआ था, और कौवे उसके सिर के ऊपर चक्कर लगा रहे थे. अचानक भेड़िया वहां दौड़ता हुआ आया. वह दौड़ा और उसने एक कौवे और उसके बच्चे को पकड़ लिया.



"उड़ो और मेरे लिए मृत और जीवित पानी लेकर आओ कौवी," भेड़िए ने कहा. "यदि तुम ऐसा नहीं करोगी तो मैं तुम्हारे बच्चे को जाने नहीं दूँगा."

कौवी उड़ गई - वह उसके अलावा और क्या कर सकती थी? क्योंकि भेड़िये ने उसके बच्चे को पकड़ रखा था. कितना समय बीता ज्यादा या कम, कोई नहीं जानता, लेकिन आखिरकार वह मृत और जीवित जल के साथ वापस आई. भेड़िये ने त्सारेविच इवान के घावों पर मृत पानी छिड़का और घाव ठीक हो गए. फिर उसने उस पर जीवित जल छिड़का, और त्सारेविच इवान जीवित हो गया.

"ओह, मैं कितनी गहरी नींद सोया था!" त्सारेविच इवान ने कहा.

"हाँ," भेड़िये ने कहा, "अगर मैं न होता तो तुम कभी नहीं जागते. तुम्हारे अपने भाइयों ने तुम्हें मार डाला और तुम्हारा सारा खजाना छीन लिया. जल्दी से मेरी पीठ पर चढ़ो."

वे तेजी से पीछा करने लगे, और उन्होंने जल्द ही उन्होंने दोनों भाइयों को पकड़ लिया, और भेड़िये ने दोनों भाइयों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उन टुकड़ों को खेत में बिखेर दिया.

त्सारेविच इवान ने भेड़िये को प्रणाम किया और हमेशा के लिए उससे विदा ली.



वह सुनहरे अयाल के साथ घोड़े पर सवार होकर घर गया, और वह अपने पिता को अग्नि-पक्षी और खुद के लिए वे एक दुल्हन - येलेना सुंदरी - लाया था.

ज़ार बेरेंडी बहुत खुश हुए और उन्होंने अपने बेटे से हर चीज़ के बारे में पूछा. त्सारेविच इवान ने उन्हें बताया कि कैसे भेड़िये ने उसकी मदद की थी, और कैसे उसके भाइयों ने उसे सोते समय मार डाला था और भेड़िये ने उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे.

पहले तो ज़ार बेरेंडी को बहुत दुःख हुए, लेकिन जल्द ही वह इससे उबर गए. और त्सारेविच इवान ने येलेना सुंदरी से शादी की और वे लंबे वर्षों तक समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल रहे.